Dr. Keerti Kumar
ASSH Prof - (Guest)
Dept of Psychology -
S.R.A.P. College, Baruchakia -
(A constituent Unit of B.R.A. Bihar University, MFP)

Class — BA (HON) Part I
Subject — Psychology
Topic — Gestal concept of Perception
Day — Monday -
Period — 3rd
Date — 20/02/2023
Contact no. — 9801766117

Q. 1. Discuss the Gestalt theory of Perception

गेस्टाल्ट के प्रत्यक्षीकरण सिद्धान्त की व्याख्या करें।

Answer: व्यक्ति सभी ज्ञानेन्द्रियों के माध्यम से प्रत्यक्षीकरण करता है। फिर भी देखा जाता है कि सभी प्रकार के प्रत्यक्षीकरण में दृष्टि प्रत्यक्षीकरण की प्रधानता रहती है। प्रत्यक्षीकरण किसी भी ज्ञानेन्द्रिया से सम्बन्धित क्यों न हो जब वह पूर्ण (whole) के रूप में होता है। तभी व्यक्ति को उद्दीपक या वस्तु का वास्तविक रूप सफल होता है। अंग्रेजी का शब्द Gestalt जर्मन शब्द Gestalten के समान है जिसका अर्थ होता है। रूप (Form) तथा पूर्ण whole Gestalt सिद्धान्त के प्रतिपादक Gestal सम्प्रदाय के मनोवैज्ञानिक हैं। इस सम्प्रदाय की स्थापना सन 1912 में हुई थी। इस सम्प्रदाय के संस्थापक में इरवहम, लीन मनोवैज्ञानिकों के नाम जाने जाते हैं। वरदाइमा, कोहलार, कोफका, गेस्टाल्ट सम्प्रदाय के मनोवैज्ञानिकों का मत है कि व्यक्ति उद्दीपक का प्रत्यक्षीकरण उद्दीपक के खण्डों के रूप में न करके पूर्ण (whole) के रूप में कर सकता है। इसके दो प्रमुख नियम हैं।

(1) समग्रता का नियम: Law of Whole:-
गेस्टाल्ट सिद्धान्त के अनुसार प्राणी उद्दीपक का प्रत्यक्षीकरण समग्र रूप में करता है। किसी